Seventeenth Loksabha

>

Title: The Speaker, on behalf of the House, congratulated Shri Neeraj Chopra for winning Gold Medal in Men's Javelin Throw and Shri Bajrang Punia for winning Bronze Medal in freestyle wrestling under 65 Kg category in Tokyo Olympics.

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे सदन को सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि टोक्यो ओलम्पिक्स में नीरज चोपड़ा ने जैवलिन थ्रो प्रतियोगिता में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर एक नया इतिहास रचा है । एथलेटिक्स में किसी भारतीय द्वारा जीता गया यह पहला ओलम्पिक स्वर्ण पदक है । उनकी इस जीत से पूरे देश में उत्साह और उमंग का वातावरण है ।

इसके अतिरिक्त भारत के पहलवान श्री बजरंग पूनिया ने 65 किलोग्राम वर्ग की फ्री स्टाइल कुश्ती में भारत को कांस्य पदक दिलाकर एक बड़ी सफलता अर्जित की है ।

मैं अपनी ओर से तथा सदन की ओर से श्री नीरज चोपड़ा तथा श्री बजरंग पूनिया को ओलम्पिक खेलों में उनकी उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ ।

माननीय सदस्यगण, 32वें ओलम्पिक खेल कल, 08 अगस्त को टोक्यों में सम्पन्न हुए । भारत को टोक्यो ओलम्पिक्स में एक स्वर्ण, दो रजत, चार कांस्य पदक सहित कुल सात पदक प्राप्त हुए हैं । यह आज तक के ओलम्पिक इतिहास में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है । इस अभूतपूर्व सफलता के लिए मैं सदन की ओर से भारतीय दल के सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ । भारतीय दल ने टोक्यो ओलम्पिक्स में जिस अदम्य साहस, अद्भुत लगन, उत्साह और अतुलनीय संकल्प शक्ति का परिचय दिया, वह हमारे लिए गर्व का विषय है ।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि टोक्यो ओलम्पिक्स में भारतीय दल की ऐतिहासिक उपलब्धियों से भारत के युवाओं में एक नया उत्साह, एक नई ऊर्जा का संचार होगा तथा भारत भविष्य में खेलों की दुनिया में एक महाशक्ति बनकर उभरेगा ।

11.04 hrs

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न संख्या 281 – श्री विवेक नारायण शेजवलकर ।

(Q. 281)

… (व्यवधान)

11.05 hrs

At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Shri Bhagwant Mann, Shri Hibi Eden and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

…(व्यवधान)

श्री विवेक नारायण शेजवलकर : माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से दो जानकारियाँ जानना चाह रहा हूं । ऐतिहासिक स्मारकों के पर्यटन की दृष्टि से विकास और रख-रखाव में 'अपनी धरोहर, अपनी पहचान' योजना के माध्यम से निजी क्षेत्र व सभी स्टेकहोल्डर्स की भागीदारी स्वागत योग्य है ।… (व्यवधान) मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि एएसआई द्वारा घोषित प्रोटेक्टेड मॉन्यूमेंट्स में पूजा-प्रार्थना आदि गतिविधियों को अनुमति दिए जाने संबंधी शासन की क्या नीति है? … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं आपसे आग्रह कर रहा हूं कि प्रश्न काल एक महत्वपूर्ण समय है । आप अपनी-अपनी सीट्स पर विराजें ।

… (व्यवधान)

श्री विवेक नारायण शेजवलकर: माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा दूसरा प्रश्न है कि ग्वालियर का प्रसिद्ध ग्वालियर दुर्ग देश की अमूल्य पुरातात्विक धरोहर में शुमार होता है । इस दुर्ग का गौरवशाली इतिहास भी है ।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, प्रश्न काल के माध्यम से आप जनता के महत्वपूर्ण सवालों को पूछें और सरकार की जवाबदेही तय करें ।

… (व्यवधान)

श्री विवेक नारायण शेजवलकर : इसमें विश्व के पर्यटकों को आकर्षित करने की अपार सम्भावनाएँ हैं । सरकार इस दुर्ग को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स में शामिल करने हेतु क्या कार्रवाई कर रही है? मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाह रहा हूं ।… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी ।

… (व्यवधान)

एडवोकेट अजय भट्ट : मान्यवर, सरकार द्वारा बहुत सारी योजनाएँ घोषित की गई हैं और मध्य प्रदेश के लिए भी जो योजनाएँ घोषित की गई हैं, उनका भी विवरण इसमें लगाया गया है ।… (व्यवधान) सारी योजनाओं की सूची इसमें लगाई गई है । अगर अध्यक्ष महोदय कहें तो मैं हरेक को पढ़ कर आपको बता देता हूं । वैसे तो केन्द्र सरकार जो सहायता देती है… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं चर्चा कराना चाहता हूं, आप चर्चा नहीं करना चाहते हैं, जनता के महत्वपूर्ण सवालों को उठाना नहीं चाहते हैं । यह गलत बात है ।

… (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदन की कार्यवाही साढ़े ग्यारह बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

11.07 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Thirty Minutes past Eleven of the Clock.

11.30 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Thirty Minutes past Eleven of the Clock.

(Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)

11.30 ½ hrs

At this stage, Shri Kalyan Banerjee, Shri Gaurav Gogoi, Dr. Kalanidhi Veeraswamy and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

माननीय सभापति: प्रश्न संख्या – 282, श्री सुब्रत पाठक जी ।

… (व्यवधान)

(Q. 282)

माननीय सभापति: माननीय मंत्री जी, विवरण सभा पटल पर रखें ।

… (व्यवधान)

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND MINISTER OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS (SHRI HARDEEP SINGH PURI): A statement is laid on the Table of the House.

माननीय सभापति: प्रश्न संख्या – 283, श्री गोपाल शेट्टी जी ।

… (व्यवधान)

(Q. 283)

श्री गोपाल शेट्टी : सभापति जी, आपका बहुत-बहुत धन्यावाद जो आपने मुझे इस प्रश्न को पूछने का अवसर प्रदान किया है । …(व्यवधान)

महोदय, इस प्रश्न के विषय पर मैं सन् 2014 से लगातार काम कर रहा हूँ । …(व्यवधान) मेरे अन्य साथी भी इसके ऊपर काम कर रहे हैं । …(व्यवधान) उनसे पहले के लोगों ने भी इस पर काम किया होगा । …(व्यवधान) मैं पूर्व मंत्री प्रहलाद पटेल जी का अभिनंदन करता हूँ क्योंकि उन्होंने इस विषय पर बहुत काम किया है । …(व्यवधान) मद्रास उच्च न्यायालय में जितने केसेज़ चलते थे, उन सभी केसों का निबटारा एक साथ कर के सरकार को निर्णय करने के लिए कहा गया । …(व्यवधान) सरकार ने तीन सदस्यीय समिति बनाई । …(व्यवधान) उस समिति का इतिहास ऐसा हो गया कि तीन सदस्यों में से एक की मृत्यु हो गई, दूसरे ने वीआरएस ले लिया और तीसरा सदस्य रिटायर हो गया । …(व्यवधान) फिर प्रधान मंत्री जी ने उसमें हस्तक्षेप कर के नई समिति गठन करने का निर्देश दिया । …(व्यवधान) नई समिति का गठन प्रह्लाद पटेल जी के नेतृत्व में हुआ । …(व्यवधान) अभी वह समिति काम कर रही है, मैं ऐसा मानता हूँ । … (व्यवधान) कभी-कभी प्रधान मंत्री जी कहते हैं कि कुछ काम कुछ लोगों के भाग्य में ही लिखा हुआ होता है । …(व्यवधान) मैं ऐसा मानता हूँ कि अभी के जो हमारे मंत्री महोदय हैं, उनके भाग्य में महाराष्ट्र का यह काम लिखा हुआ है । … (व्यवधान) इसलिए मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि इस विषय का निबटारा कब तक होगा और मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा कब प्राप्त होगा? … (व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल: सभापति जी, माननीय सदस्य ने बहुत ही महत्वपूर्ण प्रश्न आज इस सर्वोच्च सदन में उपस्थित किया है । …(व्यवधान) महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि मराठी भाषा को क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा देने के लिए जो एक लिंग्विस्टिक एक्सपर्ट कमेटी बनी थी, उसकी सिफरिश भी पक्ष में आई है । …(व्यवधान) जैसा कि सदस्य ने भी जिक्र किया है। …

(व्यवधान) महोदय, अक्टूबर, 2004 का एमएचए का एक नोटिफिकेशन है और नवंबर, 2005 का भी एमएचए का ही एक और नोटिफिकेशन है, जिसके तहत क्लासिकल लैंग्वेज का काम संस्कृति मंत्रालय के पास आया । ...(व्यवधान) उसके बाद इस विषय पर काम शुरू हुआ । ...(व्यवधान) जैसा माननीय सदस्य ने भी कहा है कि काम काफी तेज़ गति से आगे बढ़ा है, लेकिन मामला अभी अण्डर कंसीड्रेशन है । ...(व्यवधान) जिस समिति की बात माननीय सदस्य कर रहे थे, आठ सदस्यों की एक समिति सरकार ने बनाई है । ...(व्यवधान) मुझे लगता है कि वह संपूर्ण तथ्यों पर सकारात्मक दृष्टि से चर्चा कर के इस दिशा में सकारात्मक दृष्टि से ही आगे बढ़ेगी। ...(व्यवधान) ऐसा मेरा मानना है । ... (व्यवधान)

माननीय सभापतिः माननीय सदस्य, दूसरा पूरक प्रश्न पूछिए ।

...(व्यवधान)

श्री गोपाल शेट्टी : सभापति जी, मंत्री जी ने बहुत अच्छा उत्तर दिया है । ... (व्यवधान) सभापति जी, महाराष्ट्र ने मुझे बहुत कुछ दिया है । ... (व्यवधान) एक छोटा सा, गली के विषयों पर काम करने वाले कार्यकर्त्ता को दिल्ली तक पहुंचाया है । ... (व्यवधान)

सर, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि मेरे इस कार्यकाल में महाराष्ट्र के इतने बड़े काम में मुझे हस्तक्षेप करने का मौका मंत्री जी द्वारा प्राप्त कर के क्या मुझे दिया जाएगा? ... (व्यवधान)

श्री अर्जुन राम मेघवाल : सभापति जी, मैं माननीय सदस्य का धन्यवाद करता हूँ । ... (व्यवधान) वे हमारे मित्र भी हैं । ... (व्यवधान) मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि अभी तक क्लासिकल लैंग्वेज का दर्जा जिन-जिन भाषाओं को मिला है, उनमें – तमिल, संस्कृत, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और उड़िया भी है । ... (व्यवधान) महोदय, मराठी भाषा का दर्जा अण्डर कंसीड्रेशन है । ... (व्यवधान) जैसा मैंने कहा है कि सरकार सकारात्मक दृष्टिकोण से सारी

परिस्थितियों का विश्लेषण कर के और जो माननीय सदस्य ने कहा है, उसी दिशा में आगे तेज़ी से बढ़ेगी । … (व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री अरविंद सावंत जी ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: प्रश्न संख्या – 284 ।

श्री बैन्नी बेहनन जी ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: श्री एंटो एन्टोनी जी ।

… (व्यवधान)

(Q.284)

माननीय सभापति: माननीय मंत्री जी, विवरण सभा पटल पर रखें ।

… (व्यवधान)

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS AND MINISTER OF HOUSING AND URBAN AFFAIRS (SHRI HARDEEP SINGH PURI): A statement is laid on the Table of the House.

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: माननीय सदस्यगण, प्रश्न काल भी चर्चा का एक बड़ा माध्यम है ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: आप चर्चा करना चाहते हैं तो कृपया अपने-अपने स्थानों पर जाइए ।

… (व्यवधान)

माननीय सभापति: वापस जा कर प्रश्न काल में भागीदारी कीजिए और अपने सवाल पूछिए ।

… (व्यवधान)

***WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS**

(Starred Question Nos. 285 to 300

Unstarred Question Nos.3221 to 3450)

(Page No. 24 to 763)

माननीय सभापति: सभा की कार्रवाई 12 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है ।

… (व्यवधान)

11.34 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Twelve of the Clock.

-

12.00 hrs

The Lok Sabha re-assembled at Twelve of the Clock.

(Shri Rajendra Agrawal *in the Chair*)

… (व्यवधान)

12.0 ½ hrs

At this stage, Shri Gaurav Gogoi, Shri Kalyan Banerjee, Dr. Kalanidhi Veeraswamy and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.

…(व्यवधान)